Electoral Reforms

*17. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

SHRI ASHWANI KUMAR:

Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to refer to the answer to Starred question 51 add Unstarred Question 412 given in the Rajya Sabha on the 9th August, 1990 and state what is Government's 'Action Plan' to speed up the implementation of the accepted suggestions, especially those meant to curb the high cost of elections and use and feneration of black money?

THE MINISTER OF COMMERCE WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (DR. SUBRAMANIAN SWAMY); As already indicated in replies to Starred Question No. 51 and Unstarred Question No. 412 for 9th August, 1990, necessary Bills to give effect to the recommendations made by the Committee! on Electoral Reforms, which was earlier appointed, have already been introduced in Parliament. The implementation of the contemplated measures will be taken up immediately after the Bills are passed by the Parlia-me|nt.

सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान मुद्रा प्रसार में वृद्धि

*18. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि में मुद्रा के प्रसार में पर्याप्त वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो सातवीं पंचवर्षीय योजना के पहले और अंतिम वर्ष में मूल्यवर्गवार नोटों की प्रचलित संख्या कितनी-कितनी थी ;

(ग) क्या यह भी सच है कि मुद्रा के इस अत्यधिक प्रसार के कारण रुपए की क्रय-शक्ति में काफी गिरावट आई है ; और

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1960 को आधार-वर्ष मानते हुए वर्ष 1985 के अन्त में तथा माह जुलाई, 1990 के अन्त में रुपए की क्रय शक्ति क्रमश: कितनी-कितनी थी ?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्त सिन्हा) : (क) और (ख) जी, हां । सातवीं पंचवर्षीय योजना के पहले और अंतिम वर्ष में परिचालन में आए नोटों की मूल्यवर्गानुसार संख्या दर्शाने वाला एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है। **(नीचे देखिए)**

(ग) रुपए की क्रय-शक्ति मूल्य स्तर का एक कार्य है जिसका निर्धारण बहुत कारकों द्वारा किया जाता है । परिचालन में आई मुद्रा निर्धारक कारकों में से केवल एक कारक है।

(घ) वर्ष 1960 को आधार मानते हुए अखिल भारतीय कामगार वर्ग उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के रूप में रुपए की क्रय-शक्ति 1985 में 15 पैसे से मामूली अधिक और जुलाई, 1990 में लगभग 11 पैसे बैठती है।

विवरण

सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान मुद्रा प्रसार में वृद्धि

सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के पहले और अंतिम वर्षों में परिचालन में आए नोटों की मूल्यवर्गानुसार संख्या नीचे दी गई है:—

रुपए (दस लाख अदद में)

मूल्यवर्ग	वर्ष 1985	वर्ष 1990
1 रुपए	2041	3495
2 रुपए	2798	4180
5 रुपए	2468	3696